आलोचना खण्ड ३

प्रकरण : ४

आलोच्य युग के जैन गूर्जर कवियों की कविता में वस्तु-पक्ष

१६६–२५२

भाव-पक्ष : १८०

भक्ति-पक्ष : १६३

भक्ति का सामान्य स्वरूप व उसके तत्व १६३

जैन धर्म साधना में भक्ति का स्वरूप १६५

जैन-गूर्जर हिन्दी कवियों की कविता में भक्ति-निरूपण १६८

विचार-पक्ष २३०

सामाजिक यथार्थांकन, तद्युगीन सामाजिक समस्याएं और कवियों द्वारा प्रस्तुत निदान २३०

धार्मिक विचार २३५

दार्शनिक विचार २३६

नैतिक विचार २४०

प्रकृति-निरूपण : २४७

प्राकृति का आलंबनगत प्रयोग, २४८

प्रकृति का उद्दीपन चित्रण, २४८

प्रकृति का अलंकारगत प्रयोग, २४६

उपदेश आदि देने के लिए प्रकृति का काव्यात्मक प्रयोग, २४६

प्रकृति के माध्यम से ब्रह्मवाद की प्रतिष्ठा। २५०

निष्कर्ष २५१

प्रकरण : ५

आलोच्य युग के जैन गूर्जर कवियों की कविता में कला-पक्ष २५३–२८६

भाषा २५५

छन्द और संगीत विधान २६७

अलंकार - विधान २७५

प्रतीक - विधान २७६

प्रकरण - निष्कर्ष २८५

प्रकरण : ६

आलोच्य युग के जैन गूर्जर कवियों की कविता में प्रयुक्त विविध काव्यरूप २८७–३१६

(१) (विषय तथा छन्द की दृष्टि से) रास, चौपाई अथवा चतुष्पदी, बेलि, चौढ़ालिया, गजल, छन्द, नीसाणी, कुण्डलियां, छप्पय, दोहा, सवैया, पिंगल आदि । २७६

(२) (राग और नृत्य की दृष्टि से) विवाहलो, मंगल, प्रभाती, रागमाला, वधावा, गहूंली आदि । २६८

(३) (धर्म-उपदेश आदि की दृष्टि से) पूजा, सलोक, कलश, वंदना, स्तुति, स्तवन, स्तोत्र, गीत, सज्झाय, विनती, पद आदि । २६६

(४) (संख्या की दृष्टि से) अष्टक, वीसी, चौवीसी, वत्तीसी, छत्तीसी, वावनी, वहोत्तरी, शतक आदि । ३०१

(५) (पर्व, ऋतु, मास आदि की दृष्टि से) फाग, धमाल, होरी, वारहमासा, चौमासा आदि । ३०४

(६) (कथा-प्रवन्ध की दृष्टि से) प्रवन्ध, चरित्र, संवाद, आख्यान, कथा, वार्ता आदि । ३०८

(७) (विविध विषयों की दृष्टि से) प्रवहण-वाहण, दीपिका, चन्द्राउला, चूनड़ी, सूखड़ी, आंतरा, दुवावैत, नाममाला, दोधक, जकड़ी, हियाली. ध्रुपद, कुलक आदि । ३१२

प्रकरण : ७

आलोच्य कविता का मूल्याँकन और उपसंहार

३१७–३३२

मूल्याँकन : ३१९

हिन्दी भक्ति साहित्य की परम्परा के परिवेश में मूल्य एवं महत्व

संत कवि और जैन कवि ३२१

रहस्यवादी धारा ३२४

संत और जैन कवियों की गुरु सम्बन्धी मान्यताओं का विश्लेण ३२८

सांस्कृतिक दृष्टि से महत्व एवं मूल्यांकन ३२९

उपसंहार : ३३२

परिशिष्ट

परिशिष्ट : १ : आलोच्य युग के जैन गूर्जर हिन्दी कवियों की नामावली ३३३–३३६

परिशिष्ट : २ : आलोच्य युग के जैन गूर्जर हिन्दी कवियों की कृतियों की नामावली ३३७-३४२

परिशिष्ट : ३ : संदर्भ ग्रंथ सूची– ३४३-३४७

(१) हिन्दी ग्रंथ ।

(२) गुजराती ग्रंथ ।

(३) अंग्रेजी ग्रंथ तथा संस्कृत-प्राकृत ग्रंथ ।

परिशिष्ट : ४ : पत्र-पत्रिकाएं । ३४८